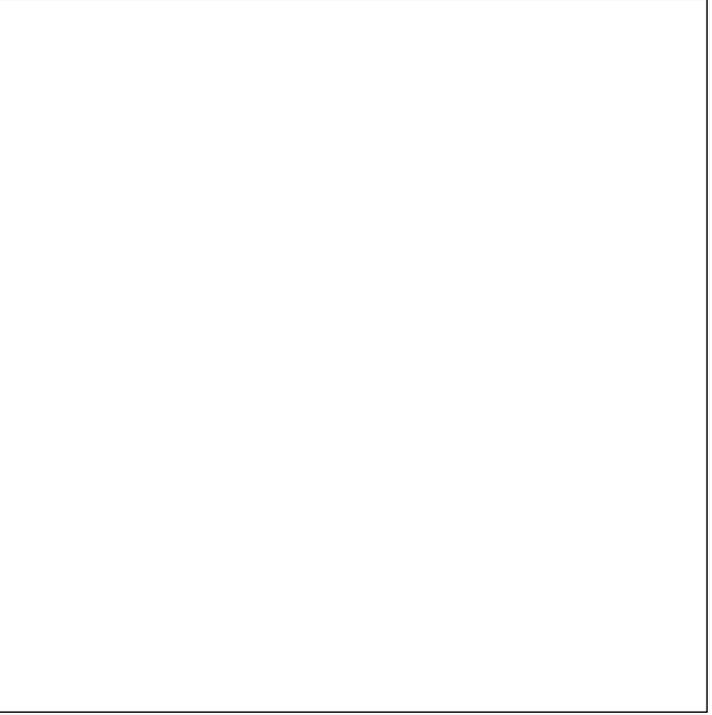




(uten bilder)

✎ Nicola Rįjsdįk
🔗 Maya Marshak
📧 Tanvi Sirari
🗣️ hindi / bokmal
📖 niva 3



Et lite frø: Historien om Wangari Maathai

एक छोटो बीज: वनगारी माथाई की कहानी

Barnebøker for Norge

barnebok.no

एक छोटो बीज: वनगारी माथाई की कहानी / Et lite frø: Historien om Wangari Maathai
Skrevet av: Nicola Rįjsdįk
Illustrert av: Maya Marshak
Oversatt av: Tanvi Sirari (hi), Finn Stranger-Johannessen (nb)

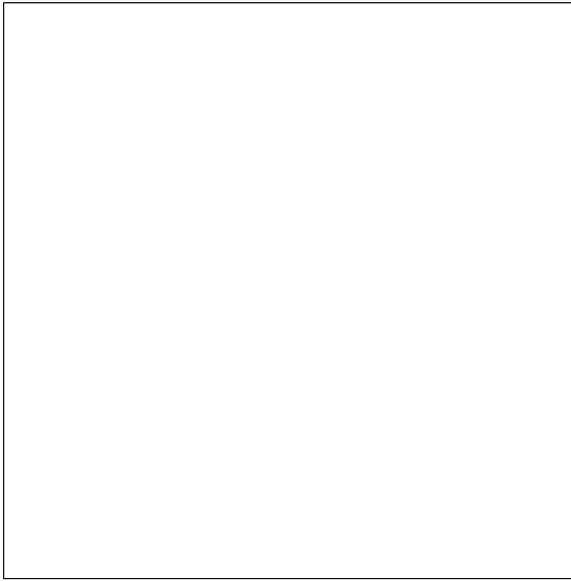
Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barnebok.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons

[Navngivelse 4.0 Internasjonal Lisens.](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no)

<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no>





पूरवी अफरीका में कैनया पहाड़ के एक गाँव में एक छोटी लड़की अपनी माँ के साथ खेतों में काम करती थी। उसका नाम वनगारी था।

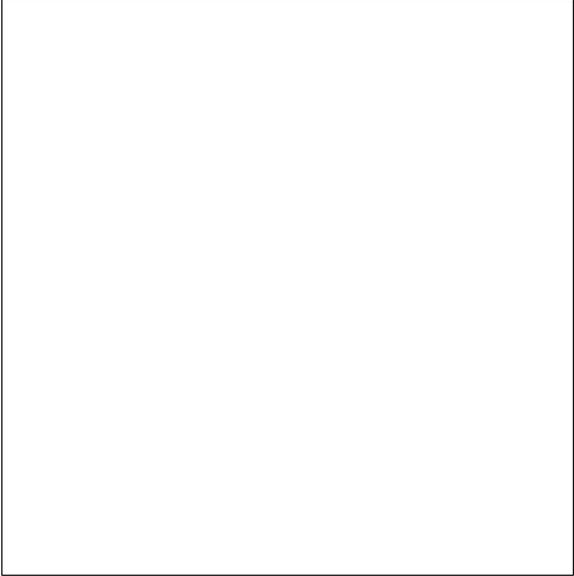
...

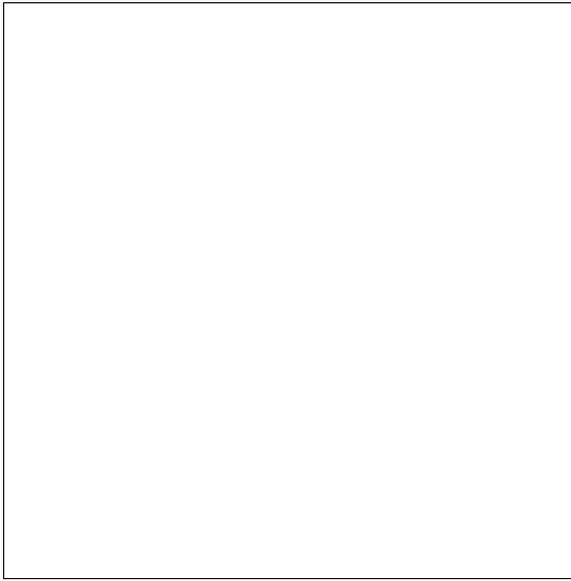
I en landsby ved foten av Mount Kenya i Øst-Afrika arbeidet en liten jente sammen med moren sin på åkeren. Wangari het hun.

Wangari var glad i å være ute. Familien hadde en kjøkkenhage. Der vendte hun grønnsaksbedet med macheten sin. Hun stakk små frø ned i den varme jorda.

...

वंगारी की बहन पसंद था। अपने परिवार के खाने के अंगूना में उसने मिट्टी की अपनी छड़ी से जोता। उसने छोटे बीजों को गम मिट्टी में दबा दिया।

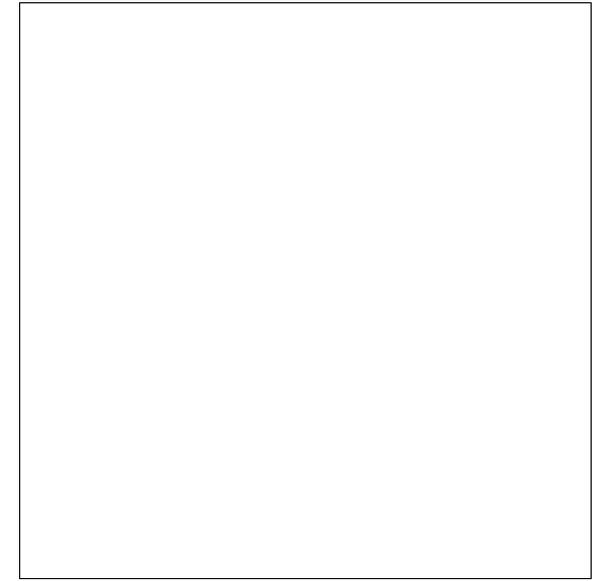




उसका दिन का सबसे पसंदिदा समय सूर्यास्त के एकदम बाद था। जब इतना अंधेरा हो जाता कि पौधे नहीं दिखते तब वनगारी जान जाती कि घर जाने का समय हो गया है। वो खेतों के संकरे रास्तों से निकल जाती और रास्ते में नदियों को पार करती।

...

Hun syntes den beste tiden på dagen var rett etter solnedgang. Når det ble for mørkt til å se plantene, visste hun at det var på tide å gå hjem. Hun gikk langs smale stier på markene og over bekker på sin vei.



२०११ में वनगारी की मृत्यु हो गयी, लेकिन जब भी हम एक सुन्दर पेड़ देखते हैं, हम उसे याद कर सकते हैं।

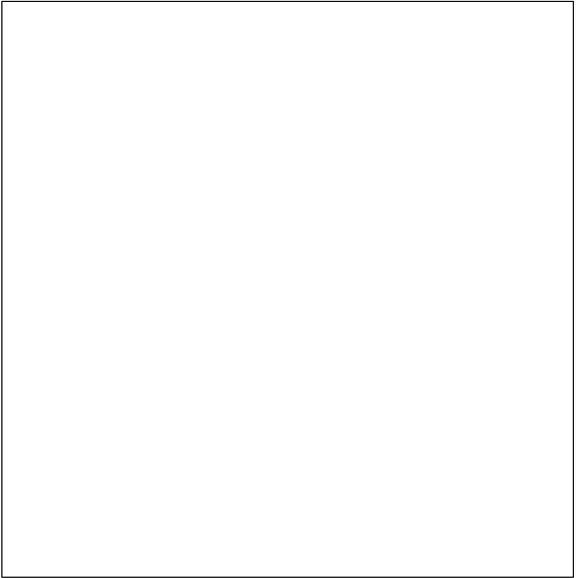
...

Wangari døde i 2011, men vi kan tenke på henne hver gang vi ser et vakkert tre.

Wangari var en flink jente og ville gjerne begynne på skolen. Men moren og faren ville at hun skulle være hjemme og hjelpe til. Da hun ble syv år, overtalte storebroren mor og far til å la henne få gå på skolen.

...

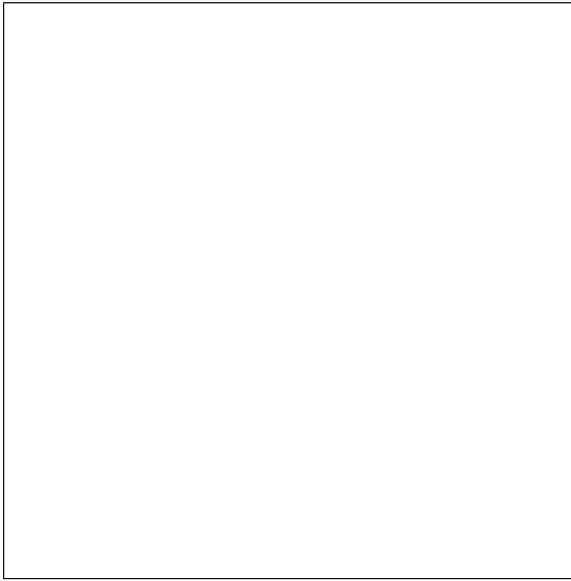
वन्गारि एक हीरोयनार बस्ती थी और शिक्षालय जाने की हैयार थी। लेकिन उसके माता-पिता चाहते थे कि वो घर में रहे और उनकी मदद करे। जब वो सात वर्ष की हो गयी, तब उसके बड़े भाई ने उनके माता-पिता को उसे शिक्षालय जाने के लिये मना लिया।



वन्गारि ने बहुत मेहनत करी। और टिनियाँ भर के लोगों ने ध्यान लिया और उसे एक प्रसिद्धि पुरस्कार दिया। उसे नोबेल शांति पुरस्कार कहा जाता है, और वो पहली अफ़रिक्न थीं तन से पुरस्कार प्राप्त किया है।

...

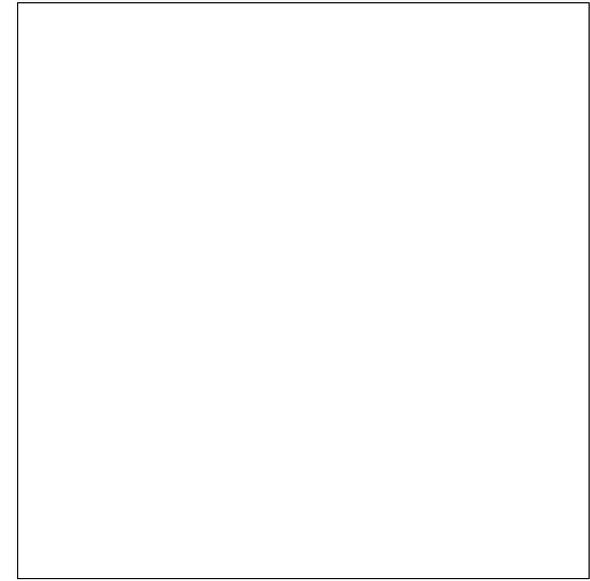
Wangari hadde arbeidet hardt. Folk over hele verden la merke til det og de ga henne en berømt pris. Den kalles Nobels fredspris. Hun ble den første afrikanske kvinnen som fikk den.



उसे सीखना पसंद था! वनगारी हर किताब पढ़ने से और ज़्यादा सीख जाती। उसने विद्यालय में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उसे पढ़ने के लिये अमेरिका से निमंत्रण मिला। वनगारी उत्साहित थी! वो दुनिया के बारे में जानना चाहती थी।

...

Hun likte å lære! Wangari lærte mer og mer for hver bok hun leste. Hun ble så flink på skolen at hun ble invitert til å studere i USA. Wangari ble så glad! Hun ville lære mer om verden.



समय के साथ नये पेड़ बढ़कर जंगल बन गये, और नदियाँ फिर से बहने लगी। वनगारी का संदेश सारे अफरिका में फैल गया। आज करोड़ों पेड़ वनगारी के बीजो से बढ़े हुए हैं।

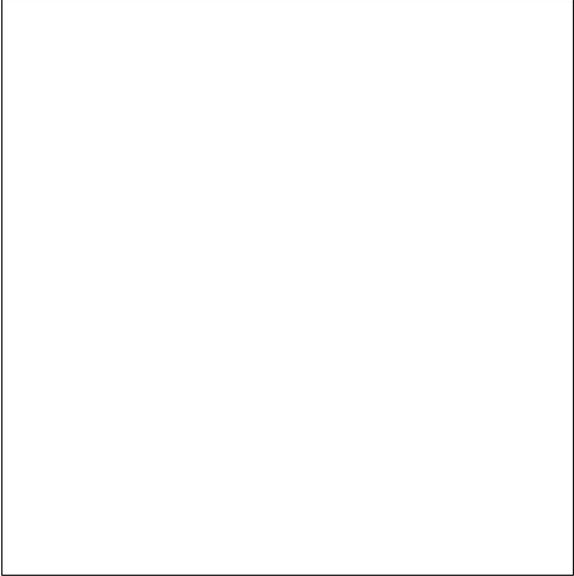
...

Tiden gikk og de nye trærne vokste og ble til skog, og det kom vann i elvene igjen. Historien om Wangari spredte seg over hele Afrika. I dag er det millioner av trær som har vokst opp fra Wangaris frø.

Wangari lærte mye nytt på det amerikanske universitetet. Hun studerte planter og hvordan de vokser. Og husket hvordan hun hadde vokst opp selv: i leker og spill med brødrene sine i Kenyas vakre skoger.

...

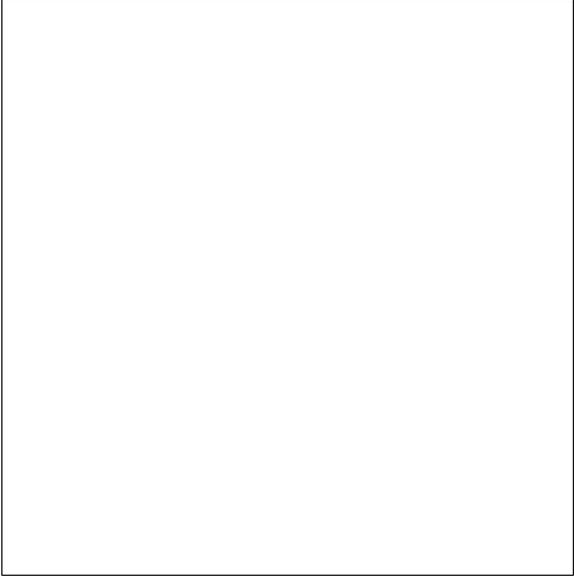
अमरीकी विद्यालय में वनगारी ने बहुत सी नयी चीजें सीखीं। उसने पौधों के बारे में पढ़ाई की कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे या आया कि वो कैसे बढ़ते हैं। वनगारी ने बहुत सी नयी चीजें सीखीं। उसने पौधों के बारे में पढ़ाई की कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे या आया कि वो कैसे बढ़ते हैं।

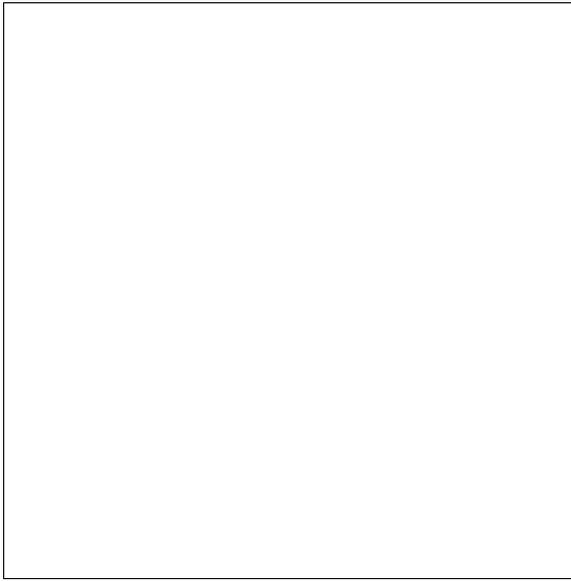


Wangari visste råd. Hun lærte kvinnene å plante trær ved å så frø i jorda. Kvinnene solgte trærne og brukte pengene til beste for familien sin. De ble veldig glade. Wangari hadde fått dem til å føle seg sterke og mektige.

...

वनगारी जानती थी कि उसे क्या करना है। उसने औरों को सिखाया कि बीज कैसे उगाते हैं। औरती ने पढ़ें बच पड़े और उन वृक्षों से अपने परिवार का ख्याल रखें औरते बहुत खुश थी। वनगारी ने उनकी मदद करके उन्हें ताकतवर और रोजगारी देने का पहरसा कराया।

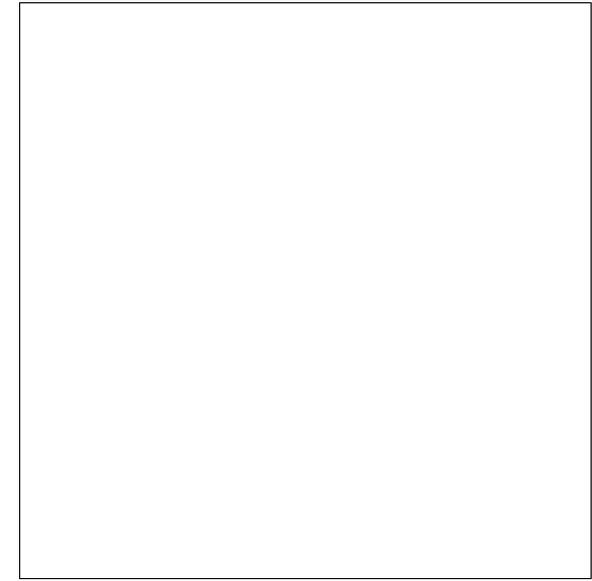




जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे एहसास होता कि वो केनया के लोगों से कितना प्रेम करती है। वो चाहती थी कि वे सुखी और आज़ाद हो। जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे अपना अफ़रिकी घर याद आता।

...

Hun skjønte hun var glad i folk fra Kenya jo mer hun lærte. Hun ville de skulle være glade og frie. Og jo mer hun lærte, desto mer husket hun hjemmet sitt i Afrika.



जब उसने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली, वो केनया वापस आ गयी। लेकिन उसका देश बदल गया था। ज़मीन पर बड़े-बड़े खेत फैल चुके थे। औरतों के पास चूल्हा जलाने के लिये लकड़ी नहीं थी। लोग गरीब थे और बच्चे भूखे थे।

...

Da hun var ferdig med å studere, dro hun tilbake til Kenya. Men landet hennes var forandret. Kjempestore bondegårder strakte seg utover i landet. Kvinnene hadde ikke ved til å tenne bål for å lage mat. Folk var fattige og barn sultet.